विद्यार्थियों में हो आजीवन सीखने की ललक और अभ्यर्थियों में नैतिक नेतृत्व की भावना

सीआइएमपी के दीक्षा समारोह का राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया उद्घाटन

- 14वें वार्षिक दीक्षा समारोह में 118 छात्रों को मिली उपाधि
- सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए प्रदान किए गए पुरस्कार

जागरण संवाददाता, पटनाः छात्रों में आजीवन सीखने की ललक होनी चाहिए। अभ्यर्थियों में अनुकूलनशीलता और नैतिक नेतृत्व की भावना विकसित होनी चाहिए। मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के 14वें वार्षिक दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए समकालीन चुनौतियों का ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ सामना करने की आवश्यकता पर बल दिया। सीआइएमपी के निदेशक डा. राणा सिंह की मौजूदगी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) 2023-25 के 115 और सत्र 2022-24 के एक, फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) 2019-2023 और सत्र 2020-2024 के एक-एक छात्र को उपाधि प्रदान की गई।

उपसभापति हरिवंश ने व्यक्तियों को सशक्त बनाने और समाज में बदलाव लाने में शिक्षा और ज्ञान-संचालित नवाचार की उभरती भूमिका पर विस्तार से बात की और संस्थान तथा उसके छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे सीआइएमपी जैसे प्रमुख संस्थानों के नेतृत्व में बिहार ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रगति में पुनरुत्थान देखा है। भाषण में उन्होंने संस्थान द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और सामाजिक विकास में, विशेष रूप से इसके इनक्यूबेशन सेंटर और ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से, की गई प्रगति का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि का संदेश था कि आज के स्नातकों पर न केवल अपने करियर में सफल होने की बल्कि प्रगति के पथप्रदर्शक बनने की भी ज़िम्मेदारी है, जो अपनी शैक्षणिक गतिविधियों से उभरती दुनिया में सकारात्मक योगदान दे। सीआइएमपी के निदेशक डा. राणा सिंह ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और संस्थान की स्थापना के बाद से इसकी उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि द्वारा सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन और सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। पीजीडीएम में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन की विजेता ज्योति सिन्हा एवं सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के विजेता उज्ज्वल कुमार रहे। इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार प्रो. अंकित शर्मा, शोध में सर्वश्रेष्ठ संकाय प्रो. कल्याण अग्रवाल, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार सरोज को दिया गया।

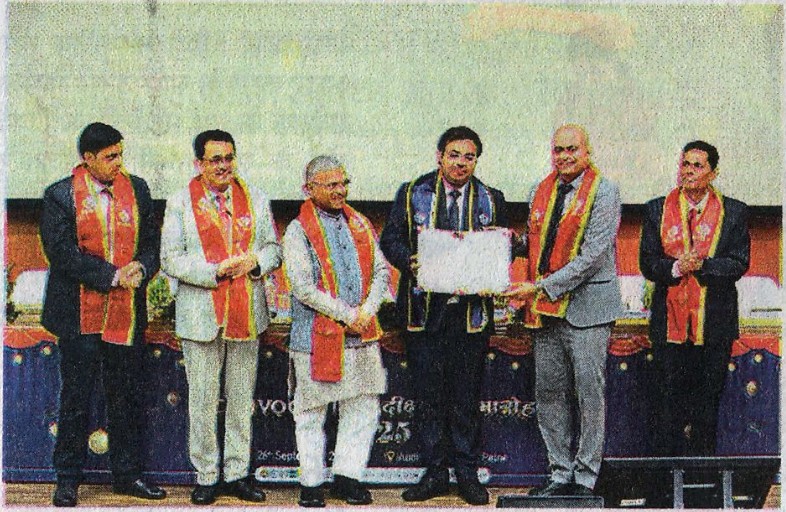

दीक्षा समारोह में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश एवं अन्य। ● सौः संस्थान।

Dainik Jagran ! Page.No- 26 ! Dated:27-09-2025

CIMP में 118 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री

दीक्षा समारोह

patna@inext.co.in

PATNA (26 Sep): राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने फ्राइडे को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआइएमपी), पटना में आयोजित 14वें वार्षिक दीक्षा समारोह में कहा, कि छात्रों में आजीवन सीखने की लगन जरूरी है. उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अभ्यर्थियों में अनुकूलन क्षमता और नैतिक नेतृत्व का विकास होना चाहिए. समारोह में सीआइएमपी के निदेशक डा. राणा सिंह भी उपस्थित थे. इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) 2023-25 के 115 छात्रों और सत्र 2022-24 के एक छात्र को, साथ ही फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) 2019-23 और सत्र 2020-24 के छात्र को डिग्री प्रदान की गई.

दीप जला कर की गई समारोह की शुरुआत.

यूं स्टूडेंट्स ने जाहिर की अपनी खुशी.

सीआइएमपी शिक्षा नवाचार में अग्रणी

उपसभापति हरिवंश ने शिक्षा और ज्ञान-आधारित नवाचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे ये तत्व व्यक्तियों को सशक्त बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं. उन्होंने कहा कि सीआइएमपी जैसी संस्थाओं के नेतृत्व में बिहार ने शिक्षा और सामाजिक प्रगति दोनों में महत्वपूर्ण सुधार देखा है. इसके अलावा, उन्होंने संस्थान के प्रौद्योगिकी के उपयोग, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और सामाजिक विकास, विशेषकर इनक्यूबेशन सेंटर और ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से की गई उपलब्धियों का भी उल्लेख किया. उनका संदेश था कि समाज में प्रगति के अग्रदूत भी बनें.

सीआइएमपी के दीक्षांत समारोह में 118 को मिली उपाधि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे उपसभापति हरिवंश

संवाददाता, पटना

आप सपने देखने का साहस करें. उन्हें साकार करने की क्षमता हासिल करें. आप चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान से पासआउट हो रहे हैं. मुझे यकीन है कि चंद्रगुप्त के बारे में तो सभी पढ़े होंगे. आज जब आप नया जीवन शुरू कर रहे हैं, तो हमेशा याद रखें कि चंद्रगुप्त के जीवन की क्या कठिनाई थी. चंद्रगुप्त मोमेंट क्या था? ये आपके लिए भी चंद्रगुप्त मोमेंट है. मैं कामना करता हूं कि चंद्रगुप्त की तरह आप उठें. चींटी की तरह धैर्य रखें. ये बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शुक्रवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के 14वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान कही. उन्होंने कहा कि सीआइएमपी जैसे संस्थानों की वजह से बिहार में शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रगति की नयी पहचान बनी है. इस मौके पर पीजीडीएम 2023-25 के 115 छात्र, पीजीडीएम 2022-24 के एक छात्र और एफएमपी कार्यक्रम के दो छात्रों को उपाधियां प्रदान की गयीं. समारोह में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन का पुरस्कार ज्योति सिन्हा को और सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन का पुरस्कार उज्ज्वल कुमार को दिया गया. संकाय और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ संकाय : प्रो अंकित शर्मा, शोध में सर्वश्रेष्ठ संकाय प्रो कल्याण अग्रवाल और सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सरोज कुमार को सम्मानित किया गया. संस्थान के निदेशक डॉ राणा सिंह ने छात्रों को बधाई दी.

छात्रा को सम्मानित करते राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश.

युवाओं की प्रतिभा ही है हमारी ताकत

उपसभापति हरिवंश ने कहा कि शिक्षा और ज्ञान-आधारित नवाचार समाज में बदलाव लाने की ताकत रखते हैं. आर्थिक और तकनीकी प्रगति के कारण ही सामाजिक परिवर्तन संभव है. भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन गया है. भारत में 1.92 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं. 118 यूनिकॉर्न आज भारत के स्टार्टअप इको सिस्टम 350 यूएस बिलियन डॉलर का है. 16.5 लाख नये रोजगार इसने क्रिएट किये. भारत ने खुद को इनोवेशन और इंटरप्रेन्योरशिप का केंद्र साबित कर दिया. पीजीडीएम में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन की विजेता ज्योति सिन्हा थीं. सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के विजेता उज्ज्वल कुमार थे.

Prabhat Khabr ! Page.No-04 ! Dated:01-10-2025

14th Convocation of Chandragupt Institute of Management Patna

The 14th Convocation of Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), held on September 26, 2025, represented a significant ceremonial occasion in the academic calendar of the institution. The ceremony was presided over by the esteemed Chief Guest, Mr. Harivansh Narayan Singh, the Hon'ble Deputy Chairman of the Rajya Sabha. In his welcome address, Dr. Rana Singh, Director, CIMP extended his congratulations to the graduating students and took the occasion to highlight the institution's remarkable journey since its inception, emphasizing its transformative impact on the educational and socioeconomic landscape of Bihar. Chief Guest Mr. Harivansh Narayan Singh, in his keynote address, spoke extensively about the evolving role of education and knowledge-driven innovation in empowering individuals and transforming societies, drawing special attention to the remarkable achievements of the institution and its students. His speech called upon graduates to cultivate an ethos of lifelong learning, adaptability, and ethical leadership, underscoring the need to confront contemporary challenges with integrity and vision. The Chief Guest's emphatic message was that today's graduates carry a responsibility not merely to succeed in their careers but to serve as torchbearers of progress, contributing positively to the world emerging from their academic pursuits. The heart of the convocation was marked by the conferral of degrees and recognition of outstanding achievements. Graduates received their certificates and academic honours in the presence of proud family members, faculty, and guests. Awards for the best scholastic performance and the best all-round performance were also given away by the chief guest. The winners of the best scholastic performance in PGDM were Ms. Jyoti Sinha. The winners of the best all-round performance in PGDM were Mr. Ujjwal Kumar.

Indian Express ! Page.No-07 ! Dated:28-09-2025

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान का 14वां दीक्षांत समारोह संपन्न

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना ने 26 सितंबर 2025 को अपने मीठापुर परिसर में चौदहवाँ वार्षिक

दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर पीजीडीएम 2023-25 के 115 छात्रों, पीजीडीएम 2022-24 के 1 छात्र और एफपीएम 2019-23 व 2020-24 के एक-एक छात्र को उपाधियाँ प्रदान की गईं। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान-संचालित नवाचार समाज और व्यक्तियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्नातकों से आजीवन सीखने, नैतिक नेतृत्व और समय की चुनौतियों का ईमानदारी और दूरदर्शिता से सामना करने का आग्रह किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने छात्रों को बधाई दी और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्थान को इस उच्च स्तर तक पहुँचाने में सरकार, संकाय और सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान है। स्नातकों और संकाय के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गई। इस वर्ष पीजीडीएम में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन की पुरस्कार विजेता ज्योति सिन्हा और सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के पुरस्कार विजेता उज्ज्वल कुमार रहे। संकाय सदस्यों में प्रो. अंकित शर्मा को सर्वश्रेष्ठ संकाय, प्रो. कल्याण अग्रवाल की शोध में सर्वश्रेष्ठ संकाय और श्री सरोज कुमार को सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का सम्मान मिला। कार्यक्रम में स्नातकों ने अपने परिवार, संकाय और अतिथियों की उपस्थिति में उपाधियाँ और सम्मान प्राप्त किए।

AAJ ! Page.NO- 04 ! Dated:27-09-2025

शिक्षा बदलाव लाने की ताकत रखते हैं: हरिवंश

सीआईएमपी दीक्षांत समारोह, 118 छात्रों को मिली डिग्री

पटना|शिक्षा और ज्ञान-आधारित नवाचार समाज में बदलाव लाने की ताकत रखते हैं। यह बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शुक्रवार को सीआईएमपी के 14वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान कही। इस मौके पर पीजीडीएम 2023-25 के 115 छात्र, पीजीडीएम 2022-24 के 1 छात्र और एफएमपी कार्यक्रम के 2 छात्रों को उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन का पुरस्कार ज्योति सिन्हा को और सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन का पुरस्कार उज्ज्वल कुमार को दिया गया। इसके अलावा संकाय और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ संकाय : प्रो. अंकित शर्मा,शोध में सर्वश्रेष्ठ संकाय : प्रो. कल्याण अग्रवाल और सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सरोज कुमार सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि सीआईएमपी की सफलता सरकार, संकाय और सभी हितधारकों के सहयोग का परिणाम है।समारोह में छात्रों ने अपने परिजनों और शिक्षकों की मौजूदगी में उपाधियां और पुरस्कार ग्रहण किए। अंत में प्रो. रंजीत तिवारी ने सभी का आभार जताया।

Dainik Bhaskar ! Page.No-04
Dated:27-09-2025

आजीवन सीखने और नैतिक नेतृत्व की भावना विकसित करें : हरिवंश

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान ने अपने मीठापुर परिसर में 14वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस बार पीजीडीएम 2023-25 के 115 छात्र और पीजीडीएम 2022-24 के 01 छात्र तथा एफपीएम-2019-2023 और एफपीएम - 2020-2024 के एक-एक छात्र को उपाधियां प्रदान की गई।

स्वागत भाषण में डॉ. राणा सिंह ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और इस अवसर पर संस्थान की स्थापना के बाद से इसकी उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि हरिवंश नारायण सिंह ने व्यक्तियों को सशक्त बनाने और समाजों में बदलाव लाने में शिक्षा और ज्ञान-संचालित नवाचार की उभरती भूमिका पर विस्तार से बात की। उन्होंने संस्थान द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और सामाजिक विकास में विशेष रूप से इसके इनक्यूबेशन सेंटर और ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों के

■ सीआईएमपी ने मनाया 14वां स्थापना दिवस समारोह

माध्यम से की गई प्रगति का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि का संदेश था कि आज कॅरियर में सफल होने की नहीं बल्कि प्रगति के पथप्रदर्शक बनने की भी जिम्मेदारी है। दीक्षांत समारोह का मुख्य आकर्षण डिग्री प्रदान करना था। पीजीडीएम में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन की विजेता ज्योति सिन्हा थीं। पीजीडीएम में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के विजेता उज्ज्वल कुमार थे। इसके अतिरिक्त संकाय और कर्मचारी पुरस्कारों के माध्यम से संस्थागत उत्कृष्टता को मान्यता दी गई। प्रो. रंजीत तिवारी ने लोगों के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

ये हुए पुरस्कृतः सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार- प्रो. अंकित शर्मा, शोध में सर्वश्रेष्ठ संकाय- प्रो. कल्याण अग्रवाल, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार- सरोज कुमार

Rashtriya Sahara ! Page.No-03
Dated:27-09-2025